SESSION-2022-23

# (संगीत पाठ्यक्रम)

# (हिन्दुस्तानी संगीत)

## (बी० ए० पार्ट – प्रथम वर्ष)

| | | | |
|---|---|---|---|
| पेपर – I | 3 घन्टे | अधिकतम 40 | न्यूनतम 15 |
| पेपर – II | 3 घन्टे | अधिकतम 40 | न्यूनतम 15 |
| प्रायोगिक (Practical) | 1 घन्टा प्रतिव्यक्ति | अधिकतम 120 | न्यूनतम 43 |

## शिक्षण घंटा

प्रायोगिक – प्रति सप्ताह 6 घन्टे

लिखित –

पेपर – 1 प्रति सप्ताह 2 घन्टे

पेपर – 2 प्रति सप्ताह 2 घन्टे

प्रायोगिक परीक्षा के लिए कुल शिक्षण घन्टे – 6 घन्टे

शिक्षण 4 घन्टे प्रति सप्ताह

- ❖ प्रायोगिक Period, थ्योरी Period के बराबर होगा।
- ❖ पेपर में 9 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक खंड में 3 प्रश्न होंगे, प्रत्येक खन्ड से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे।
- ❖ उम्मीदवारों को लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के प्रत्येक पेपर में (जहाँ भी पेपर निर्धारित हों) अलग – अलग पास करना अनिवार्य है।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल-बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

## पेपर – I

## (संगीत का सैद्धान्तिक पक्ष)
(Principle of Indian music)

**Section - A**

(1) परिभाषाएं – नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, थाट, राग, मुखड़ा, स्थायी, अन्तरा, वादी, सम्वादी, अनुवादी, विवादी, ताल, लय, मात्रा, सम, खाली, आवर्तन, ठेका, आलाप, तान, बोल – आलाप, बोल – तान, सरगम, तिहाई, मसीतखानी व रजाखानी गत।

(2) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन, स्वर संगतियाँ एवं आलाप द्वारा विस्तार।

**Section – B**

(1) हिन्दुस्तानी संगीत के महत्वपूर्ण एवं आधारभूत नियम।

(2) निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लेखन।

धमार, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, कहरवा व दादरा।

**Section – C**

(1) उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त होने वाले संगीत वाद्यों का वर्गीकरण।

(2) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में बन्दिशों की स्वरलिपि का लेखन।

## पेपर – II

## (हिन्दुस्तानी संगीत का इतिहास)
(History of Indian music)

**Section - A**

(1) परिभाषाएं – ग्राम, मूर्छना, राग लक्षण, नायक, गायक, कलावंत व गंधर्व, आदत, ज़िगर, हिसाब, गमक के प्रकार व तान।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

SESSION-2022-23

(2) पं० विष्णु दिगम्बर पलुस्कर व पं० विष्णु नारायण भातखण्डे की स्वरलिपि की विस्तृत जानकारी।

**Section – B**

(1) संगीतकारों की जीवनियाँ – जयदेव, शारंगदेव, स्वामी हरिदास, अमीरखुसरो, तानसेन, अहोबल व व्यंकटमखी।

(2) तेरहवीं शताब्दी से अठारवीं शताब्दी के बीच संगीत में हुई प्रगति का सामान्य अध्ययन।

**Section – C**

(i) निम्नलिखित वाद्यों का वर्णन –

तनपुरा, तबला व सितार

(ii) निम्नलिखित नृत्यों का वर्णन –

कत्थक, भरतनाट्यम, कथकलि व मणिपुरी

**प्रायोगिक**

(i) इस वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों के थाटों में से किन्ही 10 अलंकारों का अभ्यास।

(ii) रागों की स्वर संगतियाँ पहचानकर उस राग को गाना।

(iii) निम्नलिखित रागों का अवरोहात्मक पकड़ व स्वरविस्तार

भूपाली, यमन, बागेश्री, अल्हैया बिलावल, केदार, हिंडोल, देस हमीर व भीमपलासी।

(iv) उपरोक्त बिन्दु क्र. (iii) में निर्धारित किन्हीं चार रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटाख्याल (आलाप – तान सहित)

(v) बिन्दु क्र. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं तीन रागों में छोटाख्याल गायकी सहित या तराना।

(vi) बिन्दु क्र. (iii) में निर्धारित किन्हीं दो रागों में एक धुपद (दुगुन, तिगुन, चौगुन) व एक धमार (दुगुन, चौगुन सहित)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

(vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन धमार, तिलवाड़ा, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, कहरवा व दादरा।

(viii) पाठ्यक्रम के रागों में से सुगम शास्त्रीय रचनाएँ एवं भजन।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

SESSION-2022-23

# (संगीत पाठ्यक्रम)

## (बी० ए० पार्ट – द्वितीय वर्ष)

| | | | |
|---|---|---|---|
| पेपर – I | 3 घन्टे | अधिकतम 40 | न्यूनतम 15 |
| पेपर – II | 3 घन्टे | अधिकतम 40 | न्यूनतम 15 |
| प्रायोगिक (Practical) | 1 घन्टा प्रतिव्यक्ति | अधिकतम 120 | न्यूनतम 43 |

## शिक्षण घंटा

प्रायोगिक – प्रति सप्ताह 6 घन्टे

लिखित –

पेपर – 1 प्रति सप्ताह 2 घन्टे

पेपर – 2 प्रति सप्ताह 2 घन्टे

प्रायोगिक परीक्षा के लिए कुल शिक्षण घन्टे – 6 घन्टे

शिक्षण 4 घन्टे प्रति सप्ताह

- ❖ प्रायोगिक Period, थ्योरी Period के बराबर होगा।
- ❖ पेपर में 9 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक खंड में 3 प्रश्न होंगे, प्रत्येक खन्ड से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे।
- ❖ उम्मीदवारों को लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के प्रत्येक पेपर में (जहाँ भी पेपर निर्धारित हों) अलग – अलग पास करना अनिवार्य है।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

SESSION-2022-23

Paper – I (सैद्धान्तिक)

(Principle of Indian Music)

Section - A

(i) भरत और पं० भातखण्डे के अनुसार श्रुति व स्वर सीन।

(ii) पं० अहोबल व पं० भातखण्डे के अनुसार वीणा के तार पर शुद्ध स्वरों की स्थापना।

(iii) उत्तरी व दक्षिण भारतीय संगीत के स्वरों का तुलनात्मक अध्ययन।

Section – B

(i) लयकारी – दुगुन, तिगुन, चौगुन व छहगुन।

(ii) निम्नलिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन, व चौगुन में लेखन।

(iii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन, स्वर संगतियाँ एवं आलाप।

Section – C

(i) गत, झाला, घसीट, जोड़आलाप, जमजमा, कृंतन, मीड़, व गमक का परिचय।

(ii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में बंदिशों की स्वरलिपि का लेखन।

(iii) दी गयी स्वर संगतियों से राग पहचानकर न्यास स्वर दर्शाते हुये आलाप – तान लेखन।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

(7)

SESSION-2022-23

Paper – II

(हिन्दुस्तानी संगीत का इतिहास)
(History of Indian music)

Section – A

(i) ग्राम एवं मूर्च्छना का अध्ययन।

(ii) कर्नाटकी व हिन्दुस्तानी संगीत का आधुनिक शुद्ध स्वर सप्तक।

(iii) मेजर व माइनर स्वर सप्तक।

(iv) उन्नीसवीं व बीसवीं शताब्दी के भारतीय संगीत का इतिहास।

Section – B

(i) संगीत की आवृतियाँ।

(ii) राग – रागिनी पद्धति के अनुसार रागों का वर्गीकरण।

(iii) निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी –

उ० अलाउद्धीन खाँ, उ० अमीर खाँ, केसरबाई केरकर, पं० ओंकारनाथ ठाकुर एवं हीराबाई बड़ोदकर।

Section – C

(i) मेल व जन्य राग सिद्धान्त पं० व्यंकटमखी के बहत्तर मेल, पं० भातखण्डे के दस थाट एवं भारतीय स्वरों के बत्तीस थाट।

(ii) निम्नलिखित वाद्यों का परिचय, विवरण व उपयोग –

पखावज़, वीणा, दिलरूबा व बाँसुरी।

(iii) संगीत विषय पर निबंध।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

SESSION-2022-23

## प्रायोगिक

(i) रागों की स्वर संगतियां पहचानकर उस राग को गाना।

(ii) स्वर विस्तार द्वारा रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

(iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार –

मियांमल्हार, रामकली, बहार, तिलककामोद, वृन्दावनी सारंग, शुद्धकल्याण, जयजयवन्ती, मालकौंस, भैरव व खमाज।

(iv) उपरोक्त बिन्दु क्र० (iii) में निर्धारित किन्हीं चार रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटाख्याल (आलाप – तान सहित)

(v) बिन्दु क्र० (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं तीन रागों में एक छोटाख्याल, गायकी सहित अथवा तराना।

(vi) बिन्दु क्र० (iii) में निर्धारित किन्हीं दो रागों में एक ध्रुपद एवं एक धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित)।

(vii) निम्नलिखित तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन –

धमार, तिलवाड़ा, एकताल, चौताल, रूपक, पंजाबी, सूलताल, झूमरा व तीव्रा।

(viii) एक तराना, भजन व चतुरंग।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

SESSION-2022-23

# (संगीत पाठ्यक्रम)

## (हिन्दुस्तानी संगीत)

## (बी० ए० पार्ट – तृतीय वर्ष)

| | | | |
|---|---|---|---|
| पेपर – I | 3 घन्टे | अधिकतम 40 | न्यूनतम 15 |
| पेपर – II | 3 घन्टे | अधिकतम 40 | न्यूनतम 15 |
| प्रायोगिक (Practical) | 1 घन्टा प्रतिव्यक्ति | अधिकतम 120 | न्यूनतम 43 |

## शिक्षण घंटा

प्रायोगिक – प्रति सप्ताह 6 घन्टे

लिखित –

पेपर – 1 प्रति सप्ताह 2 घन्टे

पेपर – 2 प्रति सप्ताह 2 घन्टे

प्रायोगिक परीक्षा के लिए कुल शिक्षण घन्टे – 6 घन्टे

शिक्षण 4 घन्टे प्रति सप्ताह

- प्रायोगिक Period, थ्योरी Period के बराबर होगा।
- पेपर में 9 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक खंड में 3 प्रश्न होंगे, प्रत्येक खन्ड से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे।
- उम्मीदवारों को लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के प्रत्येक पेपर में (जहाँ भी पेपर निर्धारित हों) अलग – अलग पास करना अनिवार्य है।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

## Paper – I (सैद्धान्तिक)
(Principle of Indian music)

Section - A

(1) राग और रस का संक्षिप्त अध्ययन।

(2) ख्याल और सितार के विभिन्न घरानों का तुलनात्मक (अध्ययन)।

(3) संगीत एवं धर्म।

Section – B

(1) निम्न संगीतकारों के जीवन रेखाचित्र और योगदान – अब्दुल करीम खाँ, पन्नालाल घोष, उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ, पं० रविशंकर, बड़े गुलाम अली खाँ।

(2) राजस्थान के लोक वाद्ययंत्र।

(3) हिन्दुस्तानी संगीत के रूप।

(4) कर्नाटक शास्त्रीय संगीत के रूप।

Section – C

(1) निम्नलिखित रागों में विभिन्न रचनाओं (बंदिशों) की स्वरलिपि।

(2) विभिन्न रागों में आलाप तानों का लेखन।

(3) दी गई स्वर संगतियों से राग पहचानकर न्यास स्वर दर्शाते हुए आलाप लेखन।

(4) निम्न तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन, छैगुन में लेखन – तिलवाड़ा, धमार, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, रूपक, दादरा, पंजाबी, सूलताल, झूमरा, आड़ाचारताल, तीव्रा व दीपचन्दी।

## Paper – II
## (हिन्दुस्तानी संगीत का इतिहास)
(History of Indian music)

**Section - A**

(1) संगीत की उत्पत्ति।

(2) भरत, मतंग, शारंगदेव, विष्णुदिगम्बर पलुस्कर, भातखण्डे के कार्यों का अध्ययन।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

SESSION-2022-23

(3) Types of western Scales Diatonic, Chromatic, Equally tempered.

**Section – B**

(1) वैदिक संगीत के विभिन्न रूपों का सामान्य ज्ञान।

(2) गीती व वाणी का सामान्य ज्ञान।

(3) शास्त्रीय संगीत का लोकसंगीत पर प्रभाव।

**Section – C**

(1) रवीन्द्र संगीत का सामान्य ज्ञान।

(2) हार्मनी एवं मैलोड़ी का सामान्य ज्ञान।

(3) सामान्य संगीत रूचि पर निबन्ध।

## प्रायोगिक

(1) दी गई स्वर संगतियों को गाना एवं राग को पहचानना।

(2) स्वर विस्तार के माध्यम से रागों को पहचानना।

(3) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन – धमार, तिलवाड़ा, एकताल, चौताल, रूपक, पंजाबी, सूलताल, झूमरा, आड़ाचारताल, तीव्रा, व दीपचन्दी।

(4) निम्नलिखित रागों में आरोह, अवरोह, पकड़, व स्वरविस्तार को गाना – तोड़ी, पूरियाधनाश्री, जौनपुरी, दरबारी कान्हड़ा, बिहाग, मुल्तानी, काफी, अड़ाना, दुर्गा, पूरिया, कामोद और छायानट।

(5) तबले की संगत के साथ छोटेख्याल, बड़ेख्याल को पर्याप्त आलाप, तान, बोलतान, और सरगम के साथ निम्नलिखित इन चार रागों में गाना – ताड़ी, बिहाग, जौनपुरी और दरबारी कान्हड़ा।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल वृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

SESSION-2022-23

(6) निम्नलिखित में से किन्हीं छहः रागों में से तबले की संगत के साथ एक बड़ाख्याल आलाप व तान सहित एवं तराना गायन – कामोद, मुल्तानी, काफी, अड़ाना, दुर्गा, पूरिया, छायानट, पूरियाधनाश्री।

(7) खण्ड सं० (4) में निर्धारित रागों में से अलग – अलग दो रागों में तबले या पखावज की संगत के साथ एक ध्रुपद एवं एक धमार तिहायी एवं विभिन्न लयकारियों (दुगुन, तिगुन, चौगुन) सहित।

(8) किसी भी राग में भजन अथवा अर्ध शास्त्रीय रचना।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

## Instrumental Music

Candidate can offer any one of the following instruments-Sitar, Violin, Sarod, Flute, Israj or Dilruba.Clause 1,2,3, and 4 same as Vocal Music singing may be replaced by playing.

(5) With the accompaniment of Tabla to play Vilambitgat ( विलम्बितगत) and a Drutgat (द्रुतगत ) with sufficient varieties of Todas and Jhalas, Meend, Jamjama, Ghaseet and Krintan in the following Four ragas: (i) Todi (ii) Bihag (iii) Jaunpuri (iv) Darbari-Kanada

(6) To the accompaniment of Tabla to play Drutgat (द्रुतगत ) with todas and jhalas in any six ragas of the following-
(i) Kamod (ii) Multani (iii) Kafi (iv) Adana (v) Durga (vi) Puriya (vii) Chhayanat (viii) Puriya dhanashri.

(7) With the accompaniment of Tabla to play a composition, composed in other than Trital with Todas, in any two ragas mentioned in clause 4, but not selected under clause 5 & 6.

(8) To play a Dhun in any Raga.

## Books Recommended :


(1) Kramik Pustak Malika parts 2,3 and 4 Bhatkhande.
(2) Tan Malika parts 2 & 3 by Raja Bhaiya Poonchwal,
(3) Tan Sangrah by S.N. Ratanjankar.
(4) Sitar Marg by S.Bandopadhyaya.
(5) Sitar Siksha by B.N. Bhatt.
(6) Sitar Parts 1 to 3 by B.N. Bhimpure.
(7) Rag Vigyan by N.V. Patwardhan.
(8) A Short survey of the Music of the Northern India by Pt. V.N. Bhatkhande.
(9) संगीत के जीवन पृष्ठ by S.Rai.
(10) Vadya Shastra by Shri Harish Chandra Srivastava.
(11) Hamare Sangeet Ratn by Sangeet Karyalaya, Hathras.
(12) Sangeet Visharad by Basant.
(13) Sangeet Kaumudi by V.Nigam.
(14) Hindustani Music-its physics and a esthetics by G.S. Ranade.
(15) Music of Hindustan by Fox strangways.
(16) Origin of Ragas -- Bandopadhyaya.
(17) Bhartiya Sangeet ka Itihas-Umesh Joshi.
(18) The Music of India by H.A. Popely.


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

(19) Hindustani Sangeet Paddhati 1 to 4 by Pt. Bhatkhande
(20) Pranav Bharti by Omkar Nath Thakar.
(21) Karanataka Music-Ramchandran.
(22) South Indian Music by Sambamurti.
(23) Natya Shastra by Bharat.
(24) Brihaddeshiaya by Matang.
(25) Sangeet Ratnakar by Sharangdev.
(26) Rag Tarangini by Lochan.
(27) Sangeet Parijat by Ahobal.

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल वृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)